Roll No : .....

Total No. of Questions : **11**] [Total No. of Printed Pages : **3**

EDE–142

B.Ed. Spl. Edu. (M.R./V.I./H.I.) (Part–I) Examination, 2021

PEDAGOGY OF TEACHING HINDI

Paper - VIII (A) (CC–A5)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **80***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 6 × 5 = 30)**

नोट :– सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प का चयन कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **6** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 10 × 3 = 30)**

नोट :– पाँच में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का है।

खण्ड–अ प्रत्येक 2

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) बोली किसे कहते हैं ?

   (ii) पठन और लेखन का परिचय दीजिए।

(iii) इकाई नियोजन का महत्त्व बताइये।

(iv) पाठ-योजना का परिचय दीजिए।

(v) गद्य-शिक्षण में व्याख्या किसे कहते हैं ?

(vi) व्याकरण-शिक्षण की निगमन विधि क्या है ?

(vii) दृश्य उपकरण कौन-कौनसे हैं ?

(viii) डिस्क एवं कैसेट्स के प्रयोग की विधि बताइये।

(ix) चिन्तन दैनन्दिनी क्या है ?

(x) अधिगम समस्याएँ क्या हैं और उनका निदान कैसे हो सकता है ?

खण्ड–ब प्रत्येक 6

नोट :– सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प का चयन कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **6** अंक का है।

2. हिन्दी गद्य साहित्य की आधुनिक विधाओं का परिचय दीजिए।

अथवा

हिन्दी भाषा के नामकरण एवं संस्कृत से हिन्दी के उद्‌भव की प्रक्रिया समझाइये।

3. पाठ-योजना के संरचनात्मक उपागम का परिचय देते हुए उसका स्वरूप निर्धारित कीजिए।

अथवा

हिन्दी-शिक्षण के विशिष्ट उद्‌देश्यों का व्यावहारिक शब्दावली में लेखन किस प्रकार किया जा सकता है ?

4. पद्य-शिक्षण की व्यास और समीक्षात्मक विधि का परिचय देते हुए इनकी उपयोगिता बताइये।

अथवा

गद्य-शिक्षण का विश्लेषण और संयुक्त विधि का परिचय देते हुए इनकी समीक्षा कीजिए।

5. श्रव्य उपकरणों के प्रयोग की विधि एवं अभ्यास का निर्धारण कीजिए।

अथवा

भाषा अधिगम में भाषा प्रयोगशाला के प्रयोग की विधि और उपयोगिता का निर्धारण कीजिये।

6. विद्यार्थियों के भाषा अधिगम के अनुवर्ती चिंतन की आवश्यकता और महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

पाठ्यसहगामी क्रियाओं का अर्थ बताते हुए इनकी उपयोगिता का सविस्तार वर्णन कीजिए।

खण्ड–स प्रत्येक 10

नोट :– पाँच में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का है।

7. विश्व भाषा और भविष्य भाषा के रूप में हिन्दी के विकास का परिचय दीजिए।

8. हिन्दी शिक्षण के कौशलात्मक और रुचिगत उद्देश्यों का निर्धारण कीजिए।

9. माध्यमिक कक्षाओं के पाठ्यक्रम में पद्य के समावेश की उपयोगिता सिद्ध कीजिए।

10. वैद्युदण्विक उपकरणों (टेलीविजन, कम्प्यूटर और विश्व जाल के सहायक उपकरणों के रूप में) के प्रयोग की विधि और उनकी उपयोगिता सिद्ध कीजिए।

11. पाठ्यक्रम, सहायक सामग्री और पाठ्य विधियों का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए।